सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के लिए असाइनमेंट

(BAFYUP दर्शन) BPYC-101

दर्शन का परिचय: परिप्रेक्ष्य, मुद्दे और प्रारंभिक इतिहास

नोट:

1) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

2) सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं।

3) प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

4) यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों का उत्तर दीजिये।

1) उपनिषद क्या है? ब्रहदारण्यक उपनिषद के केंद्रीय विचार पर चर्चा करें। 20

अथवा

जैन दर्शन में मुक्ति/मोक्ष के विचार पर एक नोट लिखें। 20

2) भारतीय विचार में ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बारे में आध्यात्मिक और ज्ञानमीमांसा संबंधी प्रश्न के संदर्भ में नासदीय सूक्त के दार्शनिक महत्व पर चर्चा करें। 20

अथवा

a) सुकरातीय नीतिशास्त्र: सद्गुण ही ज्ञान है। 10+10= 20

b) ज़ीनो ऑफ़ एलिया का दार्शनिक योगदान।

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

a) रामायण का दार्शनिक निहितार्थ क्या हैं? 10

b) प्रारंभिक आयोनियन दार्शनिकों के अनुसार ब्रह्मांड का मूल तत्व क्या है? 10

c) दर्शन की मुख्य शाखाएँ क्या हैं, और प्रत्येक का उद्देश्य क्या है? 10

d) वैदिक सम्प्रदायों द्वारा स्वीकृत मोक्ष की विभिन्न अवधारणाओं का सारांश दें। 10

4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें।

4*5= 20

a) बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक विचार क्या हैं? 5

b) तज्जलनिति के कुछ दार्शनिक निहितार्थ क्या हैं? 5

c) सोफिस्ट दर्शन की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? 5

d) पाइथागोरस का नैतिक सिद्धांत क्या है? 5

e) परमेनाइडिस की अस्तित्व/सत्ता की अवधारणा क्या है? 5

f) अरस्तू का ईश्वर संबंधी दर्शन क्या है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें।

. 5*4=20

a) स्टोइक नीतिशास्त्र 4

b) लोकायत 4

c) विदेह-मुक्ति 4

d) बुद्धिवाद 4

e) आरण्यक 4

f) थेल्स 4

g) सिनिकवाद 4

h) शून्यवाद 4